बिहार विधान-सभा वाद्वृत्त।

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर।)

बुधवार, तिथि 18 मार्च, 1981 ई०।

विषय-सूची।

प्रश्नों के मौखिक उत्तर—
तारांकित प्रश्नोत्तर सं० 19, 223, 424, 425, 426, 427, 429, 430 एवं 432। .. 1—
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर) .. .. .. 30—
दैनिक निबन्ध .. ..

टिप्पणी—किन्हीं मंत्रियों एवं सदस्यों से उनके भाषण के संशोधन प्राप्त नहीं हुए उनके नाम के आगे (*) चिन्ह लगा दिया गया है।

सड़क का निर्माण।

466. श्री बंदी शंकर सिंह—क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वारिसलीगंज (नवादा) प्रखंड के शाहपुर ग्राम से एक सड़क काशीचक होते हुए बेलढ़ तथा डेढ़गांव तक जाती है;

(2) क्या यह बात सही है कि मुख्य मंत्री, बिहार एवं लोक-निर्माण मंत्री उक्त सड़क को वित्तीय वर्ष 1981-82 में लोक-निर्माण विभाग के अधीनस्थ करने की अनुशंसा और अनुमोदन भी कर चुके हैं;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क को लोक-निर्माण विभाग के अधीन लेने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, लोक-निर्माण विभाग—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) वस्तुस्थिति यह है कि मंत्री, लोक-निर्माण विभाग को संबोधित श्री बंदी शंकर सिंह, स०वि०स० के पत्र पर मंत्री, लोक-निर्माण विभाग ने जिलाधीश से मंतव्य मांगने का आदेश दिनांक 16 जुलाई, 1980 को दिया था। लोक-निर्माण विभाग के पत्रांक 1713, दिनांक 1 अक्टूबर, 1980 द्वारा जिलाधीश, नवादा से प्रतिवेदन मांगा गया जो अभीतक अप्राप्त है।

(3) जहांतक इस पथ को लोक-निर्माण विभाग के अधीन लेकर पक्कीकरण कराने का प्रश्न है, लोक-निर्माण विभाग के पथ प्रक्षेत्र के लिये छठी पंचवर्षीय योजना (1980—85) के लिये निर्धारित सीमित योजना अधिसीमा के कारण इस पथ के पक्कीकरण का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

सड़क का पुनर्निर्माण।

472. श्री रामचन्द्र राय—क्या मंत्री, लोक-निर्माण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत समस्तीपुर से पटोरी बाजार तक जो सड़क आती है उसकी हालत शाहपुर उदी गुमटी से पटोरी बाजार तक की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय है, यदि हां, तो सरकार उक्त सड़क का पुनर्निर्माण करने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, लोक-निर्माण विभाग—उत्तर स्वीकारात्मक है। बाढ़ क्षतिग्रस्त मरम्मती मद से पथ के इस अंश में पुनर्निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसे मई, 1981 तक समाप्त करने का कार्यक्रम है।